शब्दबाणों का प्रहार

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार

राष्ट्रबाण

सिवनी

संपादक : संजय बघेल

गुरुवार 8 अक्टूबर 2026 | E-PAPER: www.rashtrabaan.in • वर्ष : 11 • अंक : 146 • पृष्ठ : 06 • मूल्य : 5.00 रुपए

www.facebook.com/rashtrabaan www.twitter.com/rashtrabaan

@ PG 2

न्यूज ब्रीफ

वरिष्ठ कांग्रेस नेता वीरजी ठुम्मर का 67 की उम्र में निधन

अमरेली। गुजरात के अमरेली में पूर्व सांसद और वरिष्ठ कांग्रेस नेता वीरजी ठुम्मर का 67 की उम्र में बुधवार को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा आज शाम 5 बजे अमरेली स्थित उनके आवास से शुरू होगी। वीरजी ठुम्मर लंबे समय से बीमार थे और अपने गांव में उनका इलाज चल रहा था। राजनीति के अलावा, वीरजी थुम्मर ने विभिन्न सहकारी संगठनों में भी अपनी सेवाएं दीं। कांग्रेस संगठन और स्थानीय राजनीति में लंबे समय तक सक्रिय रहने वाले वीरजी थुम्मर की आक्रामक राजनीतिक शैली ने उन्हें एक विशिष्ट पहचान दिलाई।

मुख्य चुनाव आयुक्त का 2 दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरा टला

रायपुर। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयोग के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों का 7 और 8 अक्टूबर को होने वाला छत्तीसगढ़ दौरा टाल दिया गया है। दौरे में ज्ञानेश कुमार को दंतेवाड़ा के दंतेश्वरी माता मंदिर, बस्तर के चित्रकोट वॉटरफॉल और कवर्धा के भोरमदेव मंदिर जाना था। छत्तीसगढ़ के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय की ओर से मंगलवार को जारी लेटर के मुताबिक, ज्ञानेश कुमार को राज्य अतिथि घोषित किया गया था और उनके लिए जरूरी प्रोटोकॉल की व्यवस्था की गई थी।

बंगाल के डीजीपी सिद्ध नाथ गुप्ता का कार्यकाल बढ़ाया

कोलकाता। केंद्र सरकार ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल के डीजीपी सिद्ध नाथ गुप्ता का कार्यकाल 6 महीने के लिए बढ़ा दिया। यह उनका दूसरा सेवा विस्तार है। 1992 बैच के बंगाल कैडर के आईपीएस अधिकारी सिद्ध नाथ गुप्ता को 16 मार्च को विधानसभा चुनाव से पहले बंगाल का डीजीपी और आईजीपी नियुक्त किया गया था। उन्हें अप्रैल में पहली बार 6 महीने का सेवा विस्तार दिया गया था। उन्हें 30 अप्रैल को रिटायर होना था। कार्मिक मंत्रालय के आदेश के मुताबिक, कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने गृह मंत्रालय के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

अगले महीने चुनावी राजनीति छोड़ देंगे

शिलांग। त्रिपुरा के शाही परिवार के सदस्य और टिपरा मोथा के प्रमुख प्रद्योत किशोर माणिक्य देबबर्मा ने मंगलवार को घोषणा की कि वे अगले महीने से सक्रिय राजनीति से हट जाएंगे। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुए विलेज कमिटी चुनावों में पार्टी की जीत जश्न मनाने का समय नहीं है और 'असली जश्न' तभी होगा जब त्रिपुरा समझौते को लागू किया जाएगा।

महंगाई बढ़ी, अब कर्ज लेना और चुकाना भी हुआ महंगा

- आरबीआई की चेतावनी- आगे कीमतें और बढ़ेंगी; इससे फेस्टिव सीजन में खरीदारी कम होने का अंदेशा

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

महंगाई बढ़ गई है, यह और बढ़ने वाली है, यह तय है। साथ में बैंकों से कर्ज लेना भी महंगा होने वाला है। ये बातें रिजर्व बैंक, यानी आरबीआई की हैं। इसके चलते आरबीआई को फरवरी 2023, यानी करीब 4 साल बाद रेपो रेट बढ़ाना पड़ा है। रेपो रेट 5.25% से बढ़ाकर 5.50% कर दिया है।

अब ये क्यों किया, इसे समझने के लिए सबसे पहले रेपो रेट समझना जरूरी है। रेपो रेट वो ब्याज दर है जिस पर बैंक आरबीआई से कर्ज लेता है। फॉर्मूला ये है कि रिजर्व बैंक महंगा कर्ज बैंको को देगा तो बैंक लोगों को और महंगा कर्ज देंगे। इससे लोग कम कर्ज लेंगे और खर्च भी कम करेंगे। खर्च कम करेंगे तो मांग कम होगी, मांग कम होने से महंगाई काबू में रहेगी। आरबीआई ने महंगाई का अनुमान भी बढ़ाया है। अब 2026-27 में महंगाई दर 5.2% रहने का अनुमान है, जो पहले 5.0% था। हालांकि, अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर अच्छी खबर है। आरबीआई ने 2026-27 के लिए जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6.7% से बढ़ाकर 7.1% कर दिया है। आरबीआई की मॉनिटरी पॉलिसी कमेटी यानी एमपीसी की तीन दिन चली बैठक के बाद गवर्नर संजय मल्होत्रा ने 7 अक्टूबर को नए फैसलों की जानकारी दी। आरबीआई ने अपना रुख भी बदलकर 'कैलिब्रेटेड टाइटनिंग' कर दिया है।

आसान भाषा में इसका मतलब है कि फिलहाल ब्याज दरों में कटौती की गुंजाइश कम हो गई है। आने वाले समय में आरबीआई दरों को स्थिर रख सकता है या जरूरत पड़ने पर इन्हें और बढ़ा सकता है।

फिलहाल ब्याज दरें घटने का रास्ता बंद

आरबीआई ने अपना रुख बदलकर 'कैलिब्रेटेड टाइटनिंग' कर दिया है। यानी, फिलहाल ब्याज दरों में कटौती का रास्ता पूरी तरह से बंद हो चुका है। आने वाली बैठकों में रिजर्व बैंक या तो दरों को जैसा है वैसा ही रखेगा, या फिर जरूरत पड़ने पर इन्हें और बढ़ा सकता है। रेलिगेयर ब्रोकिंग के अजीत मिश्रा का कहना है कि 0.25% की यह बढ़ोतरी तो उम्मीद के मुताबिक ही थी, लेकिन असली बात नीति में हुआ बदलाव है।

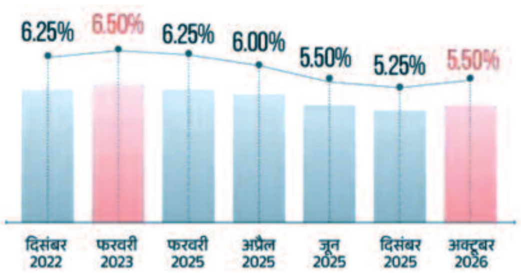

इससे साफ जाहिर होता है कि रिजर्व बैंक के लिए अब सबसे पहला काम महंगाई पर काबू पाना है। कोटक महिंद्रा बैंक की चीफ इकोनॉमिस्ट उपासना भारद्वाज का मानना है कि आने वाले समय में ब्याज दरों में 0.25 से 0.50% की और बढ़ोतरी हो सकती है। डीबीएस बैंक की सीनियर इकोनॉमिस्ट राधिका राव का कहना है कि रिजर्व बैंक का यह कदम दिखाता है कि वह महंगाई के खतरे को वक्त रहते ही पूरी तरह से दबा देना चाहता है, ताकि यह आगे जाकर अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी मुसीबत न बने।

अब 3 सवालों के जवाब से जानिए रेपो रेट से जुड़ी जरूरी बातें

सवाल 1 : आरबीआई ने रेपो रेट 0.25% क्यों बढ़ाया?

जवाब : गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बताया कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, वैश्विक दबाव और खराब मौसम से खाद्य महंगाई का खतरा बढ़ गया है। इसलिए आरबीआई महंगाई पर समय रहते लगाम लगाना और अर्थव्यवस्था में स्थिरता बनाए रखना चाहता है।

सवाल 2 : रेपो रेट बढ़ने से आम लोगों पर क्या असर होगा?

जवाब : लोन लेने वाले 10 में से लगभग 7 ग्राहकों की ब्याज दर रेपो रेट से बंधी है। इसलिए रिजर्व बैंक का फैसला देश के ज्यादातर लोन ग्राहकों पर तुरंत असर डालेगा।

मौजूदा होम, कार और पर्सनल लोन : अगर आपका लोन फ्लोटिंग रेट पर है यानी, रेपो रेट से जुड़ा है तो बैंक आने वाले कुछ ही दिनों में ब्याज दरें बढ़ा देंगे। इससे या तो आपकी ईएमआई बढ़ जाएगी या फिर लोन चुकाने की अवधि लंबी हो जाएगी।

नए लोन लेने वालों के लिए : आने वाले दिनोंमें नया होम लोन या कार लोन लेना महंगा पड़ेगा। बैंकों की नई दरें लागू होने के बाद लोन एलिजिबिलिटी भी थोड़ी कम हो सकती है।

सवाल 3 : आगे रेपो रेट कब घट सकता है?

जवाब : अगर महंगाई लगातार काबू में रहती है और आर्थिक हालात इसकी इजाजत देते हैं, तो आरबीआई आगे रेपो रेट में कटौती कर सकता है। आरबीआई हर बैठक में महंगाई, आर्थिक विकास और घरेलू-वैश्विक हालात को देखते हुए ब्याज दर पर फैसला करता है।

2026-2027 में जीडीपी ग्रोथ 7.1% रहने का अनुमान

रिजर्व बैंक ने देश की आर्थिक विकास दर का अनुमान 6.7% से बढ़ाकर 7.1% कर दिया है। इसमें दूसरी तिमाही (त्त2) की ग्रोथ 7.2% और तीसरी तिमाही की ग्रोथ 6.9% रहने की उम्मीद है। चौथी तिमाही का अनुमान 6.8% पर बरकरार रखा गया है।

पुलिस ने राहुल-प्रियंका को धरने से उठाया

सीईसी ज्ञानेश के खिलाफ लगातार दूसरे दिन धरना, तीसरी बार हिरासत में लिए गए; प्रियंका बोलीं- मारपीट की गई

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर राहुल और प्रियंका गांधी ने बुधवार को लगातार दूसरे दिन प्रदर्शन किया। इस बार दोनों जंतर-मंतर के 200 मीटर पहले सड़क पर बैठ गए। सुरक्षा बलों ने उन्हें आगे नहीं जाने दिया तो प्रियंका संविधान की कॉपी लेकर सड़क पर लेट गईं।

इस बीच कांग्रेस कार्यकर्ता की सुरक्षाबलों के साथ धक्का-मुक्की भी हुई। इससे पहले राहुल-प्रियंका विपक्षी सांसदों के साथ सागर रत्ना रेस्टोरेंट में लंच के बाद जंतर-मंतर के लिए निकले थे। लंच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दिया था। इस लंच में सपा के नेता नहीं पहुंचे।

एक दिन पहले इंडिया ब्लॉक के 200 से ज्यादा सांसदों ने संसद से चुनाव आयोग के ऑफिस तक मार्च निकाला था, लेकिन उन्हें पहले ही रोक दिया गया। इसके बाद राहुल और प्रियंका ने आकाशवाणी परिसर में 8 घंटे धरना दिया था। इस दौरान राहुल और प्रियंका को दो बार हिरासत में लिया गया। आकाशवाणी परिसर में जबरन घुसने पर दोनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

डीसीपी बोले- सांसदों के साथ सम्मानजनक व्यवहार करना होगा

दिल्ली के डीसीपी सचिन शर्मा ने कहा कि जंतर-मंतर पर बीएनएसएस की धारा 163 लागू है। उन्होंने सुरक्षाकर्मियों से सांसदों के साथ सम्मानजनक व्यवहार करने की अपील की। उन्होंने कहा, सांसद और उनके बसमर्थक तीन बसों में आ रहे हैं। हमें बताया गया है कि उनका गंतव्य जंतर-मंतर है। यहां बीएनएसएस की धारा 163 लागू है। बिना अनुमति के प्रदर्शन या मार्च की इजाजत नहीं है। चूंकि ये सभी सांसद हैं, इसलिए हमें इसका ध्यान रखना होगा। उनके साथ हमारा व्यवहार सम्मानजनक और उचित प्रोटोकॉल के अनुसार होगा।

सीजेपी बोली- क्या बीजेपी गृहयुद्ध करवाना चाहती है : कहा- सीईसी के खिलाफ 10 से प्रदर्शन

प्रधान के इस्तीफे के लिए 36 दिन धरना दिया था

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

सीजेपी के प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि भाजपा अपने कार्यकर्ताओं को बोल रही है कि दिल्ली पहुंचकर पत्थरबाजी करो। लाठियां चलाओ। क्या सरकार देश में गृहयुद्ध चाहती है? हम सरकार को चेतावनी देते हैं कि सुधर जाइए। देश का युवा जवाबदेही मांग रहा है। पिछली गलती को मत दोहराइए।

दरअसल, दिल्ली के प्रेस क्लब में कॉकरोच जनता पार्टी और लेफ्ट के छात्र संगठनों ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने आगे कहा कि ज्ञानेश कुमार को सिर्फ हटाया न जाए उन पर केस भी हो और उन्हें सजा मिले। एक स्वतंत्र कमेटी उनकी और उनके फैसलों की जांच करे। 10 अक्टूबर को कॉकरोच जनता पार्टी दिल्ली के जंतर-मंतर पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे के लिए प्रदर्शन करने वाली है। 20 जून से 25 जुलाई तक कॉकरोच जनता पार्टी ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के लिए 36 दिन तक दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया था। इस दौरान एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक भी भूख हड़ताल पर बैठे थे।

सीजेपी और लेफ्ट ने कहा- पुलिस ने बर्बरता की

महिला प्रदर्शनकारियों के साथ बदसलूकी : सौरव दास ने कहा कि दिल्ली पुलिस के मेल पुलिसकर्मी फीमेल प्रदर्शनकारियों से बदसलूकी कर रहे हैं। ऐसे कोई भी दरिंदे जो दिल्ली पुलिस में हैं, जिन्हें पैसों से भर्ती किया गया है उन्हें छोड़ना नहीं है।

पुलिस बर्बरता कर सकती है : सौरव दास ने कहा कि जब हम धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांग रहे थे तब पुलिस ने बर्बरता की। लोगों के सिर फोड़े, लड़कियों के साथ बदसलूकी की, पैलेट गन चलाई, बिहार में तो भाजपा सरकार ने एके 47 तक चला दी। हमें आशंका है कि इस बार दिल्ली में भी ये लोग ऐसा ही कुछ प्लान कर रहे हैं।

10 अक्टूबर को दिल्ली आने की अपील : मीडिया से बात करते हुए सौरव दास ने कहा कि सरकार को डर है कि अगर देश का युवा एकजुट हो गया तो इनकी खैर नहीं है। मैं अपील करता हूं कि 10 अक्टूबर को दिल्ली आएं।

लोकतंत्र बचाने के लिए विपक्ष एक साथ : नेहा बोरा ने कहा कि 4 अक्टूबर को इंडिया गेट से जंतर-मंतर मार्च में करीब 3000 लोग थे। लेकिन वहां मुझे एक प्राइवेट गाड़ी में अकेले बिठाया गया। हालांकि प्रदर्शनकारियों ने उस गाड़ी को आगे नहीं बढ़ने दिया।

सुप्रीम कोर्ट चुनाव-आयुक्तों की नियुक्ति की जांच करेगा

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि वो चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े अपने फैसले की फिर से जांच करेगा। 23 सितंबर को जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा ने इस मामले को बड़ी बेंच के पास भेजने के मुद्दे पर अलग-अलग राय दी थी।

जस्टिस दत्ता ने कहा था कि मामले को बड़ी बेंच के पास भेजने की जरूरत नहीं है। वहीं, जस्टिस शर्मा ने मामले को बड़ी बेंच के पास भेजने का समर्थन किया था। लेकिन इस फैसले पर अर्जी में जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा को लेकर पक्षपात की आशंका जताई गई है। उनके बेटे मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया के स्टैंडिंग काउंसिल हैं।

पूरा मामला 2023 के केंद्र सरकार के उस फैसले से जुड़ा है, जिसमें केंद्र सरकार ने कहा था चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़ा फैसला बदला था। वरिष्ठ वकील गोपाल शंकरनारायणन ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच के सामने अर्जी रखी थी।

मोदी 50 मिनट में 19 बार बोले-वी विल डू इट, : कहा- न थकूंगा, न रुकूंगा

बतौर पीएम-सीएम 25 साल पूरे, रिकॉर्ड बनाया

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

'वी विल डू इट... हम करके दिखाएंगे।' पीएम मोदी ने बुधवार को अपने सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में इस नारे का 19 बार जिक्र किया। उन्होंने एक घंटे की स्पीच में कहा, 'जब तक भारत विकसित नहीं होता, तब तक न थकूंगा, न रुकूंगा।'

उन्होंने कहा, 'मैं महत्वाकांक्षा नहीं, मिशन के लिए जीता हूं। जिसने मुझे गिराया, उसी ने खड़ा होना सिखाया। जिसने मेरा विरोध किया, उसने लोकतंत्र की शक्ति समझाई।' उन्होंने कहा कि 25 साल पीछे मुड़कर देखने पर उपलब्धियों से ज्यादा कृतज्ञता का भाव आता है। हर घटना ने कुछ सिखाया और नम्र होना सिखाया। ईश्वर से यही मांगा कि सीखने की इच्छा कभी कम न हो। पीएम ने कहा, 'हमारे दिल की हर धड़कन में क्या एक ही संकल्प नहीं गूंजना चाहिए कि हमें प्राचीन भारत के गौरव को पुनर्जीवित करना है। कभी भारत विश्व की अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करता था। समय का चक्र बदला, गुलामी का कालखंड आया।

'25 साल में देश कहां पहुंचा, यह देखना जरूरी'

मोदी ने कहा, 'हमने इस राष्ट्र में जन्म लिया है, ये एहसास ही अमृत है। इसके सामने सत्ता सुख कुछ नहीं है। पद-प्रतिष्ठा तो कहीं भी मिल सकती है, लेकिन भारत जैसी पुण्यभूमि नहीं मिलेगी। 25 सालों का आकलन इससे नहीं होगा कि मैं कहां पहुंचा, बल्कि इससे होगा कि मेरा देश कहां पहुंचा।'

मोदी बोले- ये समय आराम का नहीं है

पीएम ने कहा, 'हर चीज में भारत सिरमौर है। टेक्नोलॉजी, खेल, उद्योग में भारत का तिरंगा लहराए। आज पूरे विश्व में भारत के पायलट की चर्चा है। एक दिन वो भी आएगा, जब दुनिया मेड इन इंडिया प्लेन की चर्चा करेगी। ये लक्ष्य तभी पूरे होंगे, जब हम दूरदर्शी नीतियां बनाएं और परिश्रम की पराकाष्ठा करें।'

उन्होंने कहा, 'अब ये समय आराम का नहीं है। ये समय सोच के साथ आगे बढ़ने का है। देश के लिए खुद को खपा देने का है। आज भारत में जितने युवा हैं, वो इतिहास से मिला बहुत बड़ा मौका है, जिसे हमें गंवाना नहीं है।'

दिल्ली के सीमापुरी में पांच मंजिला बिल्डिंग गिरी : 8 से 10 लोगों के दबे होने की आशंका

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

दिल्ली में मछली मंडी के पास सीमापुरी इलाके में बुधवार को मंजिला इमारत गिर गई। न्यूज एजेंसी आईएएनएस के मुताबिक, बिल्डिंग मालिक के परिवार समेत 8 से 10 लोग मलबे में दबे हुए हैं। अब तक 2 बच्चों समेत 5 लोगों को सुरक्षित निकाला जा चुका है। रेस्क्यू टीमें बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। यह इमारत ईदगाह मस्जिद के पास थी। स्थानीय लोगों ने बताया कि हादसा दोपहर के करीब 3.10 बजे हुआ। हादसे के दौरान बिल्डिंग की पहली मंजिल पर एक परिवार के चार से पांच लोग मौजूद थे। घायलों को राजीव गांधी सुपर स्पेशिलिटी अस्पताल ले जाया गया है।

इमारत में ग्राउंड फ्लोर पर दुकानें थीं

फायर कंट्रोल को दोपहर करीब 3 :15 बजे बिल्डिंग गिरने की कॉल मिली थी, जिसके बाद दिल्ली पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू किया। बताया जा रहा है कि यह इमारत गली के बिल्कुल अंदर की ओर है। इमारत में ग्राउंड फ्लोर पर दुकानें और ऊपर की ओर चार मंजिलें बनी हुई थीं, जिनमें अलग- अलग परिवार रहते थे। बिल्डिंग मालिक और उसका परिवार भी इसी इमारत में रहता था।

पहले छात्र का पक्ष सुनेंगे, नया ड्राफ्ट तैयार; साहिल सुसाइड केस के बाद फैसला

आईआइटी बॉम्बे- नकल करते पकड़े जाने पर सीधे कार्रवाई नहीं

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

छात्रों पर पढ़ाई का दबाव और आत्महत्या के मामलों को देखते हुए आईआइटी बॉम्बे कई नियम बदलने की तैयारी में है। इसी के तहत संस्थान ने परीक्षा में गड़बड़ी के आरोपों पर छात्रों के खिलाफ कार्रवाई के लिए नई एसओपी का ड्राफ्ट तैयार किया है।

बीटेक छात्र साहिल वाकोडे की 18 सितंबर को आत्महत्या के बाद तैयार किए गए इस ड्राफ्ट में छात्रों को आपत्ति दर्ज कराने और मार्गदर्शन लेने का मौका देने पर जोर दिया गया है। मसौदे पर इस सप्ताह होने वाली बैठक में फैसला होगा। नई एसओपी में नकल करते पकड़े जाने पर कार्रवाई से पहले छात्र को एचओडी से बात करने का मौका देने का प्रावधान हो सकता है। परीक्षा में अनुचित साधनों के मामलों में दी जाने वाली सजा की भी समीक्षा की गई है।

क्या बदलाव संभव, इससे क्या फायदा

तुरंत मेंटर सपोर्ट मिलेगा- अगर किसी छात्र को परीक्षा में गड़बड़ी या चीटिंग करते हुए पकड़ा जाता है, तो कार्रवाई से पहले उसे किसी मेंटर से बात करने का मौका दिया जाएगा।

इन्विजिलेटर के लिए अलग से और स्पष्ट एसओपी होगा- इन्विजिलेटर को यह स्पष्ट निर्देश दिया जाएगा कि परीक्षा हॉल में संदिग्ध मामले के दौरान क्या किया जा सकता है और क्या नहीं। हॉल में घटना के वक्त क्या दर्ज किया जाना जरूरी है।

परीक्षा के नियम- आंसर शीट में परीक्षा से जुड़े सभी नियम सही तरीके से लिखे जाएं।

छात्रों की ज्यादा भागीदारी, उनके वेलनेस पर फोकस- छात्रों को अधिक से अधिक प्रतिनिधित्व मिलेगा। अनुशासनात्मक मामलों को संभालने और एसओपी बनाने वाली समितियों में छात्रों की बराबर भागीदारी रखी जा रही है।

एक्सपर्ट बोले- एसओपी में इतनी देर क्यों

शिक्षा विशेषज्ञ महेश्वर पेरी का कहना है कि कॉलेजों में पढ़ने वाले छात्र भी हमारे ही बच्चे हैं। अगर घर में बच्चा कोई गलती कर दे, तो क्या हम उसके साथ ऐसा सुलूक करते हैं कि वह जान ही दे दे? उन्होंने कहा कि परीक्षा हॉल में अगर कोई छात्र गलती करता है, तो टीचर को भी उसे अपने ही बच्चे की तरह समझना चाहिए। किसी छात्र पर क्या कार्रवाई हो, यह सिर्फ वहां मौजूद टीचर की मर्जी पर नहीं छूटना चाहिए।

गैर संक्रामक रोगों से मुकाबले के लिए हर्बल दवाएं बेहतर

गैर संक्रामक रोगों से मुकाबले के लिए हर्बल दवाएं काफी बेहतर हैं। हृदयरोग, कैंसर, स्ट्रोक इत्यादि गैर संक्रामक रोग (एनसीडी) के उपचार में इनका इस्तेमाल प्रभावी हो सकता है। सोसायटी फॉर एथनोफार्मोकोलॉजी, केंद्रीय आयुष मंत्रालय और बॉयोटेक्रोलॉजी विभाग के संयुक्त सम्मेलन में भारत और दुनिया के विभिन्न देशों के विशेषज्ञों ने खास तौर पर गैर संक्रामक रोगों का मुकाबला करने में जड़ी-बूटियों पर आधारित दवाओं की भूमिका पर जोर दिया।

इस सम्मेलन में 40 देशों के 60 से अधिक विशेषज्ञों ने सहभागिता की। कनाडा के टोरंटो से आए डॉ.प्रदीप विसेन ने मधुमेह के टाइप-2 और कार्डियो वस्कुलर रोगों के संबंध में औषधीय पादपों की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। हृदय रोग, कैंसर और मधुमेह जैसे रोगों को पहले जहां सिर्फ संपन्न लोगों से जोड़ा जाता था, लेकिन विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के मुताबिक अब ये वैश्विक खतरा बन चुके हैं और गरीब इनसे सबसे ज्यादा पीड़ित हो रहे हैं। एमिल फार्मा ने मधुमेह से लड़ने में बीजीआर-34 दवा की भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि औषधीय पादपों से बनी यह दवा न सिर्फ नियमित रूप से रक्त में सर्करा की मात्रा को नियंत्रित करती है, बल्कि साथ ही हमारे मेटाबोलिज्म को भी नियंत्रित रखती है। बांग्लादेश के ढाका विश्वविद्यालय के औषध निर्माण विज्ञान विभाग ने अपने प्रजेंटेशन में कहा कि आधुनिक चिकित्सा पद्धति की बहुत सी दवाओं को इन रोगों में प्रभावी माना गया है, लेकिन इनमें कैंसर कारक तत्व होते हैं और ये लीवर को गंभीर क्षति पहुंचाती हैं। उनके अध्ययन में जड़ी-बूटियों में पाए गए प्राकृतिक तत्वों की प्रभावशीलता को रेखांकित किया है। इनके अलावा नाइजीरिया की टेक्सोकोलॉजी यूनिवर्सिटी ऑफ अबुजा ने कार्डियोवस्कुलर रोगों में पादपों के औषधीय महत्व पर चर्चा की। उन्होंने इसका अध्ययन जानवरों पर भी किया है। ऑस्ट्रेलिया में त्रिगोनेला लैब्स के निदेशक डॉ.दिलिप घोष ने मधुमेह के प्रबंधन में फेनुग्रीक बीज की भूमिका पर चर्चा की, जिसे संयुक्त राज्य अमेरिका में जीआरएएस (सामान्य तौर पर सुरक्षित) का दर्जा दिया।

भविष्य में स्ट्रोक का कारण बनती है खराब जीवनशैली

खराब जीवनशैली की आदतों में तनाव, धूम्रपान, शराब का अत्यधिक सेवन, जंक फूड का सेवन और शारीरिक गतिविधि में कमी आदि शामिल हैं, जो भविष्य में स्ट्रोक का कारण बनती हैं, जबकि एक हेल्दी डाइट स्ट्रोक के 80 प्रतिशत मामलों को रोकने में मदद करती है. हेल्दी डाइट न केवल स्ट्रोक के जोखिम कारकों को कम करने में मदद करती है, बल्कि समग्र स्वास्थ्य को भी सही रखने में मदद करती है.स्ट्रोक के जोखिम को बढ़ाने वाले कारकों में उच्च रक्तचाप, डायबिटीज और कोलेस्ट्रॉल का उच्च स्तर शामिल हैं, जो हेल्दी डाइट की मदद से संतुलित रखे जा सकते हैं.

उच्च रक्तचाप को रोकने के लिए डाइट

विशेष आहार या पोषक तत्वों के सेवन की लिमिट को तय करने से कोई फायदा नहीं है. ऐसी कई डाइट गाइडलाइंस हैं, जो पूरे डाइट पैटर्न के पालन की सलाह देती हैं. इन गाइडलाइंस के अनुसार, मीट का सेवन कम-से-कम करना चाहिए और ताजा फल व सब्जियों का अधिक-से-अधिक सेवन करना चाहिए.सब्जियां, फल और कम वसा वाले डेयरी फूड (दूध, दही आदि) के साथ कम फैट वाला आहार उच्च रक्तचाप के स्तर को कम करने में मदद करता है. अपने खाने में मछली, गेहूं, नट्स और पोल्ट्री को शामिल करें और रेड मीट, मिठाई और चीनी वाले जूस या कोल्ड ड्रिंक आदि का सेवन कम कर दें.यह डाइट प्लान सही पोषण की मदद से रक्तचाप को संतुलित बनाये रखने में मदद करता है.यदि उच्च रक्तचाप को केवल हेल्दी डाइट और मेडिकेशन से रोका जा सकता है, तो स्ट्रोक के 90 प्रतिशत मामलों को भी रोका जा सकता है.

शाकाहारी आहार को अपनाने की जरूरत इस तरह के आहार में फैट कम नहीं होता है, लेकिन यह कम ग्लाइसेमिक वाला आहार होता है, जिसमें मात्र 40 प्रतिशत कैलोरी होती है. इससे केवल लाभकारी वसा मिलती है जैसे- जैतून व कनोला तेल से मिलने वाली वसा शरीर के लिए फायदेमंद होती है.इसके अलावा कैलोरी गेहूं, फल, सब्जियां और फलियां आदि से मिलती है.डायबिटीज और उच्च रक्तचाप वाले मरीजों में स्ट्रोक होने का खतरा सबसे ज्यादा होता है.डायबिटीज रक्त वाहिकाओं और नसों को नुकसान पहुंचा सकती हैं, जो स्ट्रोक का कारण बनती है. विभिन्न अध्ययनों के अनुसार, दालचीनी, मेथी के बीज, हल्दी की चाय, जीरा, लहसुन, इलायची, सौंफ, अदरक, आंवला, पालक, लौकी, फाइबर युक्त आहार, बादाम, करेला आदि चीजों को अपनी डाइट में शामिल करने से स्ट्रोक के खतरे में 47 प्रतिशत कमी लायी जा सकती है.रिपोर्ट्स के अनुसार, कोलेस्ट्रॉल का सेवन कम-से-कम किया जाना चाहिए.मछली या चिकन की तुलना में रेड मीट में फैट चार गुना ज्यादा होता है, जो स्ट्रोक के खतरे को अधिक बढ़ाता है.

कैसी डाइट का पालन करें

जिन मरीजों में स्ट्रोक की आशंका अधिक है, उन्हें मीट, रेड मीट और अंडे के पीले हिस्से के सेवन से बचना चाहिए.उन्हें लाभकारी तेल जैसे- जैतून और कनोला के तेल, गेहूं, सब्जियां, फलों और फलियों को अपनी डाइट में शामिल करना चाहिए.अंडे का सफेद हिस्सा प्रोटीन का अच्छा स्रोत होता है, इसलिए ऑमलेट और अंडे व सलाद से बने सैंडविच का सेवन करना चाहिए.बस ध्यान रखें कि उसमें अंडे का पीला हिस्सा नहीं होना चाहिए.

शराब का सेवन करने से बचें

शराब ब्रेन हेमरेज का खतरा बढ़ाता है.शराब से रक्तचाप का स्तर भी बढ़ता है, जिससे धमनी की अंदरूनी दीवार को नुकसान पहुंचता है.इसका यह मतलब है कि मस्तिष्क में खून का प्रवाह कम हो जाता है.शराब के अधिक सेवन से हृदय को भी नुकसान पहुंचता है, जिससे धड़कनों में गड़बड़ी की समस्या होती है.इसके परिणामस्वरूप, हृदय में थक्के बन सकते हैं, जिससे मस्तिष्क में खून का प्रवाह कम हो सकता है.

धूम्रपान करना बंद करें

स्ट्रोक निकोटिन से नहीं, बल्कि धुएं से होता है.आपको जान कर आश्चर्य होगा कि धूम्रपान स्ट्रोक के खतरे को तीन गुना बढ़ा देता है, इसलिए इसका सेवन बंद करना आवश्यक है.जब आप धूम्रपान करते हैं, आप धुएं को अंदर लेते हैं, जिसमें 7000 से ज्यादा जहरीले केमिकल मिले होते हैं.ये केमिकल आपके फेफड़ों से गुजरते हुए आपके पूरे शरीर के खून में मिल जाते हैं, जो शरीर की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाती हैं.

4 से 5 घंटे के अंदर स्ट्रोक का उपचार संभव

स्ट्रोक का उपचार के लिए यह जानना सबसे जरूरी है कि स्ट्रोक किस प्रकार का है व इससे मस्तिष्क का कौन-सा भाग प्रभावित हुआ है.इसके अलावा जल्दी-से-जल्दी मरीज को अस्पताल ले जाने की जरूरत होती है. स्ट्रोक के द्वारा जो नुकसान होता है, उसे रोकने के लिए क्लॉट बस्टिंग ड्रग्स के पास 4 से 5 घंटे से कम का समय होता है.जिन मरीजों के मस्तिष्क की बड़ी धमनियां ब्लॉक हो गयी हैं, उनके लिए मेकैनिकल थ्रॉम्बेक्टोमी की सलाह सबसे अधिक दी जाती है.ब्लॉक हुई धमनियों को खोलने के लिए, डॉक्टर मूल क्षेत्र की धमनी से मस्तिष्क के प्रभावित क्षेत्र के लिए एक केथेटर डालते हैं. स्टेंट खुलता है और क्लॉट को जकड़ लेता है, डॉक्टर उस स्टेंट को क्लॉट सहित बाहर निकाल लेते हैं. इसके लिए खास सक्शन ट्यूब का भी प्रयोग होता है.यह प्रक्रिया स्ट्रोक के गंभीर लक्षणों के 6 घंटे के अंदर की जानी चाहिए. 80 प्रतिशत से अधिक मरीजों में ब्लॉकेज को खोल दिया जाता है और धमनियों में प्रवाह को पुन: स्थापित कर दिया जाता है. इससे लगभग 60 प्रतिशत मरीजों की हालत में तेजी से सुधार आता है.

शुरुआती लक्षण और संकेत

- देखने में अचानक दिक्कत होना
- चक्कर आना
- चलने में अचानक तकलीफ
- बोलने में दिक्कत
- चेहरे में अचानक संवेदनशून्यता का आभास
- तेज सिरदर्द
- अचानक भ्रम की स्थिति व समझने में दिक्कत
- बांह में अचानक संवेदन शून्यता या कमजोरी

नोट : आमतौर पर सबाराकनॉइड हेमरेज में बिना वजह अचानक भयंकर सिरदर्द होने लगता है.इसके साथ ही उल्टी, दौरा या मानसिक चेतना का अभाव जैसी शिकायतें भी होती हैं.इन मामलों में नॉन-कॉन्ट्रास्ट सीटी स्कैन तत्काल करा लेना चाहिए.

योग व ध्यान से होता है तेज दिमाग

योगियों के ध्यान व योग से दिमाग तेज होने वाले दावे की पुष्टि हुई है। एक नए शोध में यह सामने आया है कि ध्यान व श्वास से जुड़े व्यायाम जैसे प्राणायाम दिमाग को मजबूत बनाने व कार्यो पर ध्यान केंद्रित करने में मददगार साबित होता है। डबलिन के त्रिनिटी कॉलेज के शोध के प्रमुख खोजकर्ता इयॉन रॉबर्टसन ने कहा, 'हमारा शोध बताता है कि श्वास केंद्रित व्यायाम व दिमाग की स्थिरता के बीच मजबूत संबंध है।' इस शोध के निष्कर्षो का प्रकाशन पत्रिका 'साइकोफिजियोलॉजी' में किया गया है। इसमें श्वसन व ध्यान के बीच न्यूरोफिजियोलॉजिकल संबंध को बताया गया है। शोध से पता चलता है कि सांस लेना ध्यान का एक प्रमुख तत्व व दिमागी व्यायाम है। यह सीधे तौर पर दिमाग में प्राकृतिक रासायनिक संदेशवाहक के स्तर को प्रभावित करता है, जिसे नॉरएड्रीलीन कहते हैं। यह रासायनिक संदेशवाहक हमारे चुनौती, उत्सुकता, व्यायाम, ध्यान केंद्रित या भावनात्मक रूप से उत्तेजित होने पर जारी होते हैं, यदि यह सही स्तर पर उत्पन्न होते हैं तो यह दिमाग को नए संपर्क बनाने में मदद करते हैं। यह दिमाग के लिए टॉनिक के तौर पर काम करता है।

डिप्रेशन-एसिडिटी से दूर रखता है टमाटर

टमाटर का स्वाद थोडा खट्टा थोडा मीठा। टमाटर हर सब्जी को स्वादिष्ट और जायकेदार बनाता है, यह तो सब जानते हैं लेकिन एक नए अध्ययन में इसके एक अन्य गुण का पता चला है कि यह अवसाद से दूर रखने में सहायक है। टमाटर में भरपूर मात्रा में विटामिन सी, कैल्शियम, फास्फोरस पाये जाते हैं। एसिडिटी की शिकायत होने पर टमाटरों की खुराक बढाने से यह शिकायत दूर हो जाती है।

अनुसंधानकर्ताओं ने इसके लिए 70 अथवा उससे अधिक उम्र के करीब 1000 पुरूष और महिलाओं के भोजन की आदत और उनके मानसिक स्वास्थ्य का विश्लेषण किया।

- टमाटर ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए बहुत लाभकारी होता है।
- टमाटर खान से स्किन जवां देखती है और त्वचा से संबंधित रोग नहीं होते है। यानी टमाटर आपको जवां रखता है।
- चीन और जापान के अनुसंधानकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययन में पाया गया कि अन्य फलों और सब्जियों के सेवन से यह लाभ नहीं मिलता। मानसिक रूप से स्वस्थ रहने में गोभी गाजर प्याज और कद्दू में बहुत कम लाभदायक हैं या बिल्कुल भी फायदेमंद नहीं हैं।
- उन्होंने पाया कि जो लोग एक हफ्ते में दो से छह बार टमाटर खाते हैं उन्हें उन लोगों की तुलना में अवसाद से पीडित होने का खतरा 46 प्रतिशत कम होता है जो हफ्ते में केवल एक बार टमाटर खाते हैं अथवा नहीं खाते। अनुसंधानकर्ताओं ने इसके लिए 70 अथवा उससे अधिक उम्र के करीब 1000 पुरूष और महिलाओं के भोजन की आदत और उनके मानसिक स्वास्थ्य का विश्लेषण किया।
- टमाटर में एंटीआक्सीडेंट रसायन काफी होता है जो कुछ बीमारियों से बचाने में मददगार होता है।

डायबिटीज की यह दवाई बना सकती है आपको दिल का मरीज

डायबिटीज से पीड़ित लोगों को कई तरह की सावधानियां बरतने के साथ ही इसे नियंत्रित रखने के लिए दवाइयों का सेवन भी करना पड़ता है.ऐसी ही दवाइयों में से एक है रोसिग्लिटाजोन, जो कि डायबिटीज टाइप-2 के मरीज खाते हैं.यूनाइटेड स्टेट्स फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने 1999 में इस दवा को अवांदिया ड्रग्स के नाम से मंजूरी दी थी.अभी हाल में हुए एक रिसर्च में यह बात सामने आयी है कि यह दवा खाने से दिल की बीमारी 33 प्रतिशत तक अधिक बढ़ सकती है. मेडिकल न्यूज टुडे की खबर के अनुसार, इसके दुष्प्रभावों को देखते हुए यूरोप में इस दवा के इस्तेमाल पर सख्त मनाही है.गौरतलब है कि अपने देश में इस दवा की बिक्री होती है.रिपोर्ट के अनुसार, न्यू हैवन के येल स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के जोशुआ डी वालेक के मुताबिक, दूसरों की तुलना में अवांदिया दवा खाने वाले लोगों में दिल से संबंधित बीमारी होने का खतरा 33 प्रतिशत ज्यादा हो जाता है.

हाजमा दुरस्त करती है अदरक

अदरक का भारतीय मसालों में खूब प्रयोग किया जाता है। यही नहीं अदरक मॉनसून सीजन में बीमारियों से भी बचती है। अदरक में कैल्शियल, आयरन, कॉपर, मैग्नीशियम जिंक आदि मिनरल भरपूर मात्रा में पाये जाते हैं। तो आइए जानते हैं अदरक के लाभकारी गुणों के बारे में

- अदरक का रस कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल रखता है, जिससे दिल की बीमारी की संभावना घट जाती है। अगर अदरक नियमित रूप से सेवन हो तो पाचन संबंधी समस्याएं जैसे- गैस, बदहजमी, अपच दूर हो जाती है।
- बीमारियों से जैसे नाक से पानी बहना, सिरदर्द और सर्दी को तुरंत दूर कर देती है। एक कप अदरक, शहद और तुलसी के पत्तो वाली याय बनाकर पीने से जुखाम में राहत मिलती है।
- अगर जोडो के दर्द से परेशान है तो सूखी अदरक के पाउडर का सेवन करने से जोडो में पैदा होने वाली सूजन और दर्द से छुटकारा मिलता है। अदरक में कैल्शियल, आयरन, कॉपर, मैग्नीशियम जिंक आदि मिनरल भरपूर मात्रा में पाये जाते हैं।
- त्वचा में चमक लाये- चेहरे पर अदरक का पेस्ट लगाकर कुछ देर छोड दें। फिर पानी से धो लें कुछ ही दिनों में चेहरा चमकने लगेगा।
- अदरक के 10 से 20 मिलीलीटर रस में गुड मिलाकर सुबह-सुबह पी लें। इससे सभी प्रकार की सूजन जल्दी ही कम हो जाती है।

आंखों को स्वस्थ रखने के लिए रोजाना खाएं संतरा

अगर आप अपनी उम्र के साथ अपनी आंखों को स्वस्थ रखना चाहते हैं और अपनी दृष्टि नुकसान को रोकना चाहते हैं, तो हर रोज एक संतरे का सेवन काफी मददगार हो सकता है। ऐसा एक शोध में सामने आया है। आंख में मैकुलर क्षय उम्र से जुड़ी हुई एक स्थिति है, जिससे दृष्टि क्षेत्र के केंद्र में दिखाई देने में दिक्कत आती है। शोध के नतीजे बताते हैं कि जिन लोगों ने हर रोज कम से कम एक बार संतरे खाए, उनमें 15 साल बाद मैकुलर क्षय के विकसित होने की संभावना 60 फीसदी कम रही। यह प्रभाव संतरे में मौजूद फ्लेवोनवाएड्स की वजह से हैं, जो दृष्टि हानि को रोकता है। फ्लेवोनवाएड्स प्रभावशाली एंटीऑक्सिडेंट होते हैं, जो करीब सभी फलों और सब्जियों में पाए जाते हैं। यह इम्यून सिस्टम के लिए फायदेमंद है। सिडनी विश्वविद्यालय की बामिनि गोपीनाथ ने कहा, हमने पाया कि जिन लोगों ने हर रोज संतरे खाए थे, उनमें कभी संतरे नहीं खाने वालों की तुलना में मैकुलर क्षय होने का खतरा कम था। उन्होंने कहा, यहां तक कि हफ्ते में एक बार संतरा खाने से भी महत्वपूर्ण लाभ दिखाई देता है। इस शोध को अमेरिकी पत्रिका, क्लिनिकल न्यूट्रिशन में प्रकाशित किया गया है। इसमें शोध दल ने 2000 लोगों पर अध्ययन किया, जिनकी आयु 50 साल से ऊपर थी।

टेक्नोलॉजी में है रुचि तो डाटा एनालिटिक्स में बना सकते हैं करियर, घर बैठे ऑनलाइन कर सकते हैं कोर्स

आजकल के दौर में डाटा एनालिटिक्स विषय महत्वपूर्ण कोर्सेज में से एक है। डाटा एनालिटिक्स कोर्स को ऑनलाइन भी किया जा सकता है। बता दें कि इस क्षेत्र में करियर संबंधी भी संभावनाएं भी काफी है। एक समय पर इन कोर्सों को करने के लिए स्टूडेंट्स को ऑफलाइन संस्थानों में जाना पड़ता था। लेकिन अब आप इन कोर्सेज को घर बैठे ऑनलाइन भी कर सकते हैं। इसके अलावा आप इस कोर्स को टॉप संस्थानों से ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए भी पढ़ सकते हैं और वह एकदम फ्री में। ऑनलाइल कोर्स करने के लिए आपको किसी तरह की फीस नहीं देनी होती है।

हालांकि जब आप इस कोर्स को कम्प्लीट कर लेते हैं तो सर्टिफिकेट प्राप्त करने के लिए आपको रुपए देने होते हैं। ऐसे में अगर आप भी डाटा एनालिटिक्स के क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ फ्री कोर्स के बारे में जानकारी देने जा रहे हैं। जिनकी मदद से आप डाटा एनालिटिक्स में अपनी स्किल्स डेवलप कर सकते हैं।

अप्लाइड बायेसियन फॉर एनालिटिक्स
संस्थान का नाम – आईआईएम बैंगलोर
कोर्स की फीस – फ्री
कोर्स की अवधि – 6 सप्ताह
सर्टिफिकेट की फीस – 11,974 रुपये

डाटा फॉर बेटर लाइफ – न्यू सोशल कॉन्ट्रैक्ट
संस्थान का नाम – वर्ल्ड बैंक ग्रुप

कोर्स की फीस – फ्री
कोर्स की अवधि – 6 सप्ताह
सर्टिफिकेट की फीस – 388 रुपये

डाटा फॉर बेटर लाइफ – न्यू सोशल कॉन्ट्रैक्ट सेल्फ पेस्ड
संस्थान का नाम – वर्ल्ड बैंक ग्रुप
कोर्स की फीस – फ्री
कोर्स की अवधि – 6 सप्ताह
सर्टिफिकेट की फीस – 388

इंट्रोडक्शन टू डाटा एनालिटिक्स फॉर मैनेजर
संस्थान का नाम – यूएम–एन आर्बर
कोर्स की फीस – फ्री
कोर्स की अवधि – 6 सप्ताह
सर्टिफिकेट की फीस – 3,987 रुपये

हरिकेन ट्रैकिंग विद सेटेलाइट डाटा
संस्थान का नाम – फ्यूचरलर्न के माध्यम से स्ट्रैथक्लाइड विश्वविद्यालय ग्लासगो
कोर्स की फीस – फ्री
कोर्स की अवधि– 5 सप्ताह
सर्टिफिकेट की फीस – 1,849 रुपये

डाटा एनालिटिक्स बेसिक फॉर एवरीवन
संस्थान का नाम – आईबीएम
कोर्स की फीस – फ्री
कोर्स की अवधि – 5 सप्ताह
सर्टिफिकेट की फीस – 7,541 रुपये

फंडामेंटल ऑफ टाइनीएमएल
संस्थान का नाम – हार्वर्ड यूनिवर्सिटी और कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी
कोर्स की फीस – फ्री
कोर्स की अवधि – 5 सप्ताह
सर्टिफिकेट की फीस – 16,203 रुपये

डाटा एनालिटिक्स इन अकाउंटिंग एंड फाइनेंस
संस्थान का नाम – हांगकांग पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी, हांगकांग
कोर्स की फीस – फ्री
कोर्स की अवधि – 5 सप्ताह
सर्टिफिकेट की फीस – 7,683 रुपये

डाटा एनालिटिक्स फॉर लीन सिक्स सिगमा
संस्थान का नाम – कोर्सेरा के माध्यम से यूवीए एम्स्टर्डम
कोर्स की फीस – फ्री
कोर्स की अवधि – 5 सप्ताह
सर्टिफिकेट की फीस – 2,188 रुपये

डाटा एनालिटिक्स इन स्पोर्ट्स मैनेजमेंट
संस्थान का नाम – कोर्सेरा के माध्यम से सनी
कोर्स की फीस – फ्री
कोर्स की अवधि – 5 सप्ताह
सर्टिफिकेट की फीस – 2,188 रुपये

अगर आपको भी टेक्नोलॉजी से लगाव है और कोडिंग आदि में रुचि रखते हैं तो आप डाटा एनालिटिक्स को करियक के तौर पर चुन सकते हैं। आने वाले समय में इस कोर्स को लेकर काफी डिमांड भी बढ़ी है। इसमें आप अपना करियर बनाकर अच्छी कमाई कर सकते हैं।

एनालिटिक्स फॉर डिजाइन मेकिंग
संस्थान का नाम – बाबसन कॉलेज, वेलेस्ले
कोर्स की फीस – फ्री
कोर्स की अवधि – 4 सप्ताह
सर्टिफिकेट की फीस – 18,887 रुपये

एजाइल एनालिटिक्स
संस्थान का नाम – यूवीए चार्लेट्सविले
कोर्स की फीस – फ्री
कोर्स की अवधि – 4 सप्ताह

डाटा एनालिटिक्स करियर गाइड एंड इंटरव्यू प्रिपरेशन
संस्थान का नाम –आईबीएम
कोर्स की फीस – फ्री
कोर्स की अवधि – 4 सप्ताह
सर्टिफिकेट की फीस – उपलब्धता नहीं

गेटिंग स्टार्टड विद लेटर्स फॉर बिगनर्स ऑन एडब्ल्यूएस
संस्थान का नाम – अमेज़न वेब सेवाएं
कोर्स की फीस – फ्री
कोर्स की अवधि – 1 सप्ताह
सर्टिफिकेट की फीस – 3,806 रुपये

डाटा समार्ट फॉर बीगनर्स
संस्थान का नाम – जिगसाव अकादमी
कोर्स की फीस – फ्री
सर्टिफिकेट की फीस – उपलब्धता नहीं है

फाइनल इंटरव्यू को भी गंभीरता से लें

कई बार ऐसा होता है कि रिर्टन एग्जाम क्लीयर करने के बाद किसी जॉब के लिए आपको चुन लिया जाता है और इंटरव्यूर आपको कहता है कि अब आपको फाइनल इंटरव्यू के लिए आना है। जब भी कोई इंटरव्यूर आपसे ये बात कहता है, इसे सुनते ही आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहता होगा, लेकिन फाइनल इंटरव्यू के लिए चुने जाने का ये मतलब नहीं है कि आपका सेलेक्शन पक्का हो गया है। हमेशा फाइनल इंटरव्यू को भी उतनी ही गंभीरता से लेना सीखें, जितना की इंटरव्यू के अन्य लेवल को लेते हैं। आज हम आपको बता रहे ऐसी तीन बातों के बारे में जो आपको फाइनल इंटरव्यू के दौरान या उससे पहले कभी नहीं करनी चाहिए

ड्रेसिंग सेंस

जब भी आप किसी इंटरव्यू के लिए जाएं, तो अपने ड्रेसिंग सेंस का विशेष रूप से ध्यान रखें। लोग अक्सर सोचते हैं कि फाइनल इंटरव्यू के लिए बुलाने का मतलब नौकरी पक्का होना होता है, लेकिन फाइनल इंटरव्यू के दौरान भी नियोक्ता आपको परखने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। इसलिए फाइनल इंटरव्यू के लिए कभी कैजुअल ड्रेस में न जाएं और इंटरव्यू का ड्रेस कोड हमेशा फॉलो करें।

दोस्तों से न करें

उम्मीदवार फाइनल इंटरव्यू की बात सुनते ही पार्टी मोड में आ जाते हैं और बिना कोई समय गंवाए, अपने दोस्तों और करीबियों से अपने खुशी साझा करने लगते हैं। खुशी के पल दोस्तों के साथ साझा करना गलत बात नहीं है, लेकिन हमेशा कोशिश करनी चाहिए कि जब तक काम पूरा न हो जाए, बात अपने तक ही रखी जाए। नियोक्ता कई बार फाइनल इंटरव्यू में आपके सामने ऐसे सवाल रखते हैं, जिनका जवाब आपके पास नहीं होता है और अवसर आपकी चौखट तक आने के बाद भी वापस लौट जाता है। इसलिए जब तक सेलेक्शन फाइनल न हो जाए पार्टी करने के बारे में न ही सोचें।

इंटरव्यूर से न हों फ्रेंडली

हमेशा एक बात का ध्यान रखें कि जब भी आप इंटरव्यू देने जाए इस दौरान अनुशासन में रहें। कोई भी इंटरव्यूर आपका दोस्त नहीं होता है। अगर आप किसी इंटरव्यू को पहले से जानते भी हैं, तब भी इंटरव्यू के दौरान उसके साथ ज्यादा फ्रेंडली होने की कोशिश न करें। फाइनल इंटरव्यू के लिए बुलाए जाने पर ज्यादातर उम्मीदवार कैजुअल बर्ताव करते हैं, लेकिन अगर आप चाहते हैं कि आपका सेलेक्शन हो और आपको फाइनल इंटरव्यू में रिजेक्ट न किया जाए, तो इसके लिए कभी भी नियोक्ता से इस दौरान ज्यादा फ्रेंडली न हों और डेकोरम बनाए रखें।

अगर आपके पास कम्यूनिकेशन, प्लानिंग, स्ट्रेटजी जैसे स्किल्स तो...

जब भी हम किसी जगह जॉब के लिए इंटरव्यू देने के लिए जाते हैं तो सबसे पहला सवाल यह होता है कि हमने किस विषय में डिग्री ली है। यह आम सी बात है कि अगर आपको किसी फील्ड में जॉब चाहिए, तो आपके पास डिग्री या फिर डिप्लोमा दोनों में से कुछ न कुछ होना चाहिए, लेकिन कुछ नौकरियां ऐसी भी हैं, जिनमें डिग्री की जरूरत नहीं पड़ती है। अगर आपके पास कम्यूनिकेशन, प्लानिंग, स्ट्रेटजी जैसे थोड़े से भी स्किल्स हैं तो बिना डिग्री के नौकरी मिल सकती है। आज हम आपको बता रहे हैं कुछ ऐसी जॉब्स के बारे में जिन्हें पाने के लिए आपको किसी डिग्री की जरूरत नहीं हैं।

सोशल मीडिया मैनेजर

सोशल मीडिया मैनेजर नए जमाने की क्रिएटिव जॉब है। एक सोशल मीडिया मैनेजर को ट्विटर, फेसबुक और लिंक्डइन जैसी साइट्स पर अपनी कंपनी का स्टेटस अपडेट लिखना, प्रमोशन कंटेंट बनाना, सवालों के जवाब देना और कमेंट्स का रिप्लाई करना जैसे काम करने होते हैं। अगर आपके भी क्रिएटिव हैं और लिखना पसंद करते हैं, तो ये जॉब के लिए बेस्ट साबित होगी।

कस्टमर सपोर्ट

अगर किसी भी कंपनी को बाजार में अपना प्रोडक्ट चलाना है तो इसके लिए कस्टमर को संतुष्ट करना सबसे जरूरी है। कस्टमर सपोर्ट एक ऐसा ही प्रोफेशन है जो कस्टमर्स का पूरा ख्याल रखने के लिए ही बना है। अगर आपके पास अच्छे कम्यूनिकेशन स्किल्स हैं तो आप इसमें अपना करियर बना सकते हैं।

जूनियर डेवलपर

अगर टेक्निकल फील्ड में बिना डिग्री के करियर बनाना चाहते हैं, तो इसके लिए आप बतौर जूनियर डेवलपर जॉब कर सकते हैं। जूनियर डेवलपर्स उन वेबसाइट्स और एप्लीकेशंस के कोड बनाने में अहम योगदान अदा करते हैं, जिनका हम रोजाना इस्तेमाल करते हैं। एक जूनियर डेवलपर बनने के लिए आपको एचटीएमएल और सीएसएस, जावा स्क्रिप्ट, पीएचपी, रूबी और पाइथन जैसी प्रोग्रामिंग लैंगवेज की समझ होनी चाहिए।

मोबाइल एप्प डिजाइनर

डिजाइनिंग का शौक रखने वाले लोग मोबाइल एप्प डिजाइनर के रूप में अपना करियर बना सकते हैं। इस नौकरी को पाने के लिए आपके पास डिजाइन प्रिंसिपल और पैटर्न्स की अच्छी समझ होनी चाहिए। साथ ही विजुअल कम्यूनिकेशन स्किल्स भी होने चाहिए।

2 से 5 लाख रुपए के निवेश से शुरू करें ये बिजनेस हर महीने होगी मोटी कमाई

नौकरी की तलाश में भटकते-भटकते परेशान हो चुके हैं? आज इस आर्टिकल से जरिए हम आपको कुछ ऐसे बिजनेस के बारे में बताने जा रहे हैं। जिन्हें आप कम निवेश में करके ज्यादा मुनाफा कमा सकते हैं।

कई लोग नौकरी की तलाश में इधर–उधर भटकते हैं। इसके बाद भी उन्हें सफलता नहीं मिल पाती। ऐसे में परेशान होने के बजाय आप खुद का बिजनेस शुरूकर हर महीने अच्छी–खासी कमाई कर सकते हैं। बता दें कि बिजनेश की शुरूआत करने के लिए आपको ज्यादा पैसों की भी जरूरत नहीं होगी। इन बिजनेस को आप 2 से 5 लाख रुपए में शुरूकर सकते हैं। इन बिजनेस से आपकी अच्छी खासी कमाई भी हो जाएगी और आपकी नौकरी की तलाश भी खत्म हो जाएगी। आज इस आर्टिकल के माध्यम से हम आपको इन बिजनेस के बारे में बताने जा रहे हैं।

जिम या फिटनेस सेंटर

आज के दौर में हर व्यक्ति खुद को फिट और हेल्दी रखना चाहता है। वहीं बढ़ते पाल्यूशन और भागदौड़ भरी जिंदगी के बीच लोग अपने स्वास्थ्य को लेकर अधिक जागरूक होते जा रहे हैं। वहीं कई लोग खुद को फिट रखने के लिए जिम और योगा भी करते हैं। इसलिए अब न केवल मेट्रो शहरों बल्कि छोटे–छोटे शहरों में भी जिम या फिटनेस सेंटर की लोकप्रियता बढ़ती जा रही है। आपको बता दें कि आप भी 5 लाख रुपए के निवेश से एक छोटा सा जिम शुरू कर सकते हैं। वहीं अधिक से अधिक लोगों के ज्वाइन करने पर आप इसका विस्तार भी कर सकते हैं।

डिस्पोजेबल पेपर प्लेट, कप, दोने बनाना

जैसा कि आप सभी जानते हैं कि शादियों, जन्मदिन समारोह और व्यावसायिक आयोजनों में लोगों द्वारा डिस्पोजेबल कप और प्लेट का इस्तेमाल किया जाता है। वहीं इन चीजों की ऑफिस आदि में भी जरूरत होती है। वहीं लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ी है। जिस कारण लोग प्लास्टिक प्लेट, कप, गिलास यूज करने की जगह पेपर से बनी इन चीजों का इस्तेमाल करना अधिक पसंद करते हैं। ऐसे में आप भी इस बिजनेस को आसानी से शुरूकर सकते हैं। इनको बनाने वाली मशीनें आपको 5 लाख से कम के निवेश में एक मशीन आसानी से मिल जाएंगी।

पेस्ट कंट्रोल बिजनेस

अधिकतर घरों में तिलचट्टे, उड़ने वाले कीड़े और अन्य कीड़े पाए जाते हैं। यही कीड़े फसलों और सब्जियों को नष्ट कर देते हैं। इसलिए कीड़ों से बचाव के लिए लोग पेस्ट कण्ट्रोल सेवाओं की खोज करते हैं। ऐसे में बहुत से लोग उपकरण और कीटनाशकों का उपाय खोजते हैं। जो इन कीड़ों और चूहों आदि के नुकसान से बचा सके। कीटों को खत्म करने के संसाधनों और रासायनिक स्प्रे में निवेश कर सकते हैं। इस दौरान रेस्तरां, पब, कॉर्पोरेट कार्यालय, फर्म्स, होटल, हाउसिंग सोसाइटी और अन्य आपके उपभोक्ता हो सकते हैं। इस बिजनेस को भी आप 5 लाख के निवेश से शुरू कर सकते हैं।

फोटो स्टूडियो सर्विसेज

फोटोग्राफी के स्टाइल में पहले से काफी चेंज आया है। आजकल लोग शादी, बच्चों, प्री–वेडिंग, प्रेग्नेंसी शूट, जन्मदिन आदि की अच्छी फोटोग्राफी करवाते हैं। वहीं कुछ लोग हर पल को कैमरे में कैद करना चाहते हैं। इसके लिए लोग पैसै भी खर्च करने के लिए तैयार रहते हैं। इसलिए फोटोग्राफी के बिजनेस में आप हाथ आजमा सकते हैं। हालांकि इस काम को शुरू करने के लिए आपके पास पेशेवर कौशल का होना काफी जरूरी है। अगर आपको भी यूनिक तरीके से फोटो क्लिक करने का शौक है तो आप इस फील्ड में अपनी शुरूआत कर सकते हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

बता दें कि किसी भी क्षेत्र में अपना काम शुरू करने से पहले उस पेशे की सारी डिटेल्स होना जरूरी है। जिस भी काम को आप शुरू करने जा रहे हैं। उसे कैसे करते हैं, आगे कैसे बढ़ाते है इन सबकी बारीक जानकारी होने के बाद ही आप किसी भी काम को करें। क्योंकि अगर आपको अपने काम की नॉलेज नहीं होगी तो आप ज्यादा समय तक किसी भी फील्ड में अपने पांव नहीं टिका कर रख सकते हैं। कॉम्पटीशन के दौर में कुछ अलग और हटके काम करना आपको एक अलग पहचान देता है।

राष्ट्रबाण
सिवनी, गुरुवार 8 अक्टूबर 2026

सिवनी राष्ट्रबाण

● बरघाट ● छपारा ● धनोरा ● घंसौर ● केवलारी ● कुरई ● लखनादौन ● सिवनी ग्रामीण

फर्जी दस्तखत का खेल, शिकंजे में नोटरी, पार्षद और सरपंच!

सिवनी में कानून को ठेंगा दिखा रहा फर्जी दस्तखत का काला खेल, जिम्मेदार ही बने जालसाज

सिवनी | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

जिले में इन दिनों फर्जीवाड़े और जालसाजी का एक ऐसा नेटवर्क पैर पसार चुका है जिसने प्रशासनिक और संवैधानिक व्यवस्था की धज्जियां उड़ाकर रख दी हैं। जनता के विश्वास और कानून की मर्यादा की बलि चढ़ाते हुए फर्जी दस्तखत का यह गोरखधंधा अब किसी से छिपा नहीं है। सबसे ज्यादा चौकाने वाली और शर्मनाक बात यह है कि जिन कंधों पर निष्पक्षता और नियम-कायदों की रखवाली का जिम्मा है, वही इस फर्जीवाड़े की दलदल में गले-गले तक डूबे हुए हैं। शहर की नोटरी टेबल से लेकर नगर पालिका के वार्डों और ग्रामीण अंचलों की पंचायतों तक, हर जगह किसी और के पद का धौंस दिखाकर दस्तखत कोई और ही ठोक रहा है। नोटरी की मुहरें, पार्षदों के लेटर पैड और सरपंचों के सील-सिक्के अब उन नुमाइंदों या बिचौलियों के हाथों की कठपुतली बन चुके हैं, जिन्हें जनता ने कभी चुना ही नहीं।

सत्ता का नशा और चंद पैसों की हवस में इस कदर अंधेरगर्दी मची है कि असली जनप्रतिनिधि या सक्षम अधिकारी घर बैठकर आराम फरमाते हैं और उनके नाते-रिश्तेदार, दलाल या चमचे धड़ल्ले से उनके संवैधानिक पदों के नाम पर दस्तखत कर सरकारी व गैर-सरकारी दस्तावेजों को प्रमाणित कर रहे हैं। फर्जी प्रमाण पत्र, वसीयत, जमीन-जायदाद के नामांतरण से लेकर योजनाओं के अप्रूवल तक में जारी यह धोखाधड़ी केवल नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि सीधे तौर पर राज्य सरकार और न्याय व्यवस्था के मुंह पर एक करारा तमाचा है।

इस पूरे फर्जीवाड़े में नोटरी एडवोकेट्स, पार्षदों और सरपंचों की साठगांठ ने पूरे जिले को फर्जीवाड़े की मंडी बनाकर छोड़ दिया है। सरपंच पति, पार्षद पुत्र या नोटरी के रिश्तेदार खुद को ही साहब मानकर धड़ाधड़ मुहरों पर अपने दस्तखत उकेर रहे हैं। जिन कागजातों के आधार पर लोगों की जिंदगी की गाढ़ी कमाई, पहचान और जमीन का फैसला होता है, वे दस्तावेज एक झटके में पूरी तरह फर्जी दस्तखतों से तैयार किए जा रहे हैं। कानून की आंखों में धूल झोंकने का यह दुस्साहस अब चरम सीमा पार कर चुका है। जनता के अधिकारों पर डाका डालने वाले इन बहरुपियों को शायद यह मुगालता है कि उनकी यह धांधली हमेशा पर्दे के पीछे दबी रहेगी।

लेकिन वे भूल रहे हैं कि कागजों पर किसी दूसरे के नाम के फर्जी हस्ताक्षर उकेरना और किसी दूसरे के पद का अनधिकृत इस्तेमाल करना कोई मामूली लापरवाही नहीं, बल्कि भारतीय कानून की नजर में एक गंभीर, अजमानतीय और अक्षम्य अपराध है, जिसमें शामिल हर एक मोहरे को जेल की सलाखों के पीछे जाना तय है।

कानून के नियमानुसार क्या होगी कार्रवाई?

भारतीय कानून के तहत किसी अन्य व्यक्ति या पदधारक के फर्जी हस्ताक्षर करना, फर्जी दस्तावेज तैयार करना और पद का दुरुपयोग करना अत्यंत गंभीर श्रेणी के अपराध हैं। भारतीय न्याय संहिता के अनुसार ऐसे मामलों में निम्नलिखित सख्त कानूनी प्रावधान लागू होते हैं। यदि कोई व्यक्ति किसी अन्य के नाम के फर्जी दस्तखत कर फर्जी पत्र, सील या दस्तावेज तैयार करता है, तो की भारतीय न्याय संहिता धारा 336 के तहत यह अपराध है, जिसमें 2 वर्ष तक की कैद या जुर्माना या दोनों की सजा का प्रावधान है।

अब देखना यह होगा कि इस खुलेआम चल रहे फर्जीवाड़े पर जिला प्रशासन और पुलिस महकमा क्या रुख अपनाता है। क्या जिम्मेदार अधिकारियों का चाबुक इन जालसाजों पर चलेगा या फिर जांच और आख्या के नाम पर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा? जनता अब सीधी और सख्त कार्रवाई का इंतजार कर रही है ताकि पद का दुरुपयोग करने वाले इन कथित जनप्रतिनिधियों और नोटरियों आदि को सलाखों के पीछे पहुंचाया जा सके।

फर्जी हस्ताक्षर का उद्देश्य और सजा का प्रावधान?

- **धोखाधड़ी के उद्देश्य से कूटरचना** : यदि फर्जी हस्ताक्षर का उपयोग किसी को धोखा देने, लाभ कमाने या सरकारी दस्तावेज को प्रमाणित करने के लिए किया गया है, तो भारतीय न्याय संहिता की धारा 338 लागू होती है। यह एक गंभीर अपराध है, जिसमें 7 वर्ष तक की कठोर कारावास और जुर्माने का स्पष्ट प्रावधान है।
- **फर्जी दस्तावेज को असली बताकर इस्तेमाल करना** : जो व्यक्ति यह जानते हुए भी कि दस्तखत या दस्तावेज फर्जी हैं, उसे कहीं जमा करता है या उसका लाभ उठाता है, उस पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 340 के तहत वही सजा लागू होती है जो दस्तावेज बनाने वाले पर होती है।
- **पद का झूठा नाटक/छद्म रूप धारण करना** : किसी दूसरे अधिकारी, सरपंच या पार्षद के पद का अधिकार न होते हुए भी खुद को वह बताकर दस्तखत करना भारतीय न्याय संहिता की धारा 204 के तहत धोखेबाजी का अपराध है, जिसमें 3 साल तक की जेल हो सकती है।
- **पद की बर्खास्तगी एवं आपराधिक षड्यंत्र** : इस फर्जीवाड़े में शामिल सरपंचों और पार्षदों पर पंचायती राज अधिनियम एवं नगर पालिका अधिनियम की धाराओं के तहत पद का दुरुपयोग करने के आरोप में पद से बर्खास्तगी की सीधी कार्रवाई हो सकती है। वहीं फर्जीवाड़ा करने वाली नोटरी का लाइसेंस तत्काल प्रभाव से रद्द किया जा सकता है और सभी पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 61 (अपराधिक षड्यंत्र) के तहत सामूहिक मुकदमा दर्ज कर जेल भेजा जा सकता है।

70वीं राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता का भव्य समापन

विधायक दिनेश राय 'मुनमुन' के करकमलों से पुरस्कृत हुईं विजेता टीमें

सिवनी | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

नगर के सिंथेटिक एस्ट्रोटर्फ हॉकी मैदान में जिला प्रशासन एवं जिला शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 70वीं राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता (17 वर्ष बालक-बालिका वर्ग) का समापन समारोह गरिमामय माहौल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में सिवनी विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक दिनेश राय 'मुनमुन' ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

पूजन-अर्चन और आतिथ्य सम्मान के साथ शुभारंभ

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती जी के चित्र पर माल्यार्पण व पूजन-अर्चन के साथ हॉकी के जादूगर भारत रत्न मेजर ध्यानचंद जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके पश्चात आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने विधायक श्री दिनेश राय 'मुनमुन' का पारंपरिक रूप से आत्मीय स्वागत व अभिनंदन किया।

'हार से निराश न हों, यह अगली बड़ी जीत की सीख है ': विधायक

उपस्थित खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों को संबोधित करते हुए विधायक श्री दिनेश राय 'मुनमुन' ने कहा कि सिवनी की इस पावन धरा पर दूर-दराज से आए सभी युवा खिलाड़ियों का वे हार्दिक स्वागत करते हैं। बीते दिनों मैदान पर जो उत्साह, खेल भावना और अनुशासन देखने को मिला, वह अत्यंत सराहनीय है।

उन्होंने कहा कि जीत और हार खेल के दो पहलू हैं। विजेताओं को बधाई देने के साथ उन्होंने पीछे रह गई टीमों से कहा कि वे निराश न हों, क्योंकि हर हार अगली बड़ी जीत की बेहतर सीख देकर जाती है। उन्होंने रेखांकित किया कि प्रदेश सरकार युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है ताकि बच्चे आगे चलकर देश और प्रदेश का नाम रोशन कर सकें। श्री राय ने सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति, निर्णायकों और खेल विभाग के अधिकारियों को बधाई देते हुए खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

वरिष्ठ अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति:

इस अवसर पर एसडीएम महेश अग्रवाल, जिला शिक्षा अधिकारी श्री अविनाश दीक्षित, सहायक संचालक श्रीमती संयुक्त उइके, जिला क्रीड़ा अधिकारी श्रीमती जस्सी थामस, मठ स्कूल की प्राचार्या आभा सिंग, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के विधायक प्रतिनिधि मनीष मोनू मिश्रा, अनुराग तिवारी, शैलेंद्र साहू, देवेंद्र ठाकुर, अनिल राजपूत सहित अनेक गणमान्य जन, विभिन्न संभागों के कोच, खिलाड़ी एवं बड़ी संख्या में खेल प्रेमी नागरिक मौजूद रहे।

विजेता एवं उपविजेता टीमों को मिलीं ट्रॉफी और पुरस्कारः

समापन समारोह में मुख्य अतिथि विधायक दिनेश राय 'मुनमुन' के कर-कमलों से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली संभागीय टीमों को पुरस्कार व ट्रॉफी प्रदान की गई:

17 वर्ष बालक वर्गः

प्रथम स्थान : नर्मदापुरम संभाग
द्वितीय स्थान : उज्जैन संभाग
तृतीय स्थान : ग्वालियर संभाग

17 वर्ष बालिका वर्गः

प्रथम स्थान : ग्वालियर संभाग
द्वितीय स्थान : उज्जैन संभाग
तृतीय स्थान : भोपाल संभाग

ध्वज अवतरण के साथ आधिकारिक समापनः

कार्यक्रम के अंत में विधायक दिनेश राय 'मुनमुन' द्वारा परंपरा अनुसार फहराए गए खेल ध्वज को ससम्मान उतारा गया और प्रतियोगिता के आधिकारिक समापन की घोषणा की गई।

अनुविभागीय अधिकारी पुलिस ललित गठरे ने दिया भावुक आभार संदेश

बरघाट में 3 वर्षों का कार्यकाल संपन्न, अब पाली उमरिया में संभालेंगे एसडीओपी का पदभार

सिवनी | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

बरघाट में सफलतापूर्वक 3 वर्षो का सेवाकाल पूर्ण करने के उपरांत अनुविभागीय अधिकारी पुलिस ललित गठरे का स्थानांतरण एसडीओपी पाली बिरसिंहपुर, जिला उमरिया के पद पर हुआ है। इस अवसर पर उन्होंने बरघाट प्रवास के अपने अनुभवों को साझा करते हुए क्षेत्र की सम्मानित जनता, जनप्रतिनिधियों, मीडिया जगत एवं पुलिस परिवार के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया है।

ललित गठरे ने अपने आभार संदेश में कहा, बरघाट में व्यतीत हुए विगत 3 वर्ष मेरे प्रशासनिक एवं व्यक्तिगत जीवन के लिए अत्यंत स्मरणीय और समृद्ध अनुभव प्रदान करने वाले रहे। नवीन पदस्थापना के संदर्भ में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि उनका अगला पड़ाव एसडीओपी पाली बिरसिंहपुर, जिला उमरिया होगा, जहाँ वे शीघ्र ही अपना कार्यभार ग्रहण करेंगे। बरघाट के नागरिकों, पुलिस स्टाफ और स्नेही जनों ने श्री गठरे के उज्ज्वल भविष्य तथा नए दायित्वों के सफल संचालन हेतु अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं।

विकसित भारत के निर्माण में जनभागीदारी सबसे महत्वपूर्ण : सांसद फग्गन सिंह

सेवा ज्योति संकल्प सभा में नागरिकों ने लिया राष्ट्र निर्माण में सहभागिता का संकल्प

सिवनी | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

सेवा ज्योति संकल्प यात्रा के अंतर्गत बुधवार को राज तिलक मैरिज गार्डन सिवनी में जिला स्तरीय विकसित भारत संकल्प सभा का आयोजन किया गया। सभा में बड़ी संख्या में नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों ने सहभागिता करते हुए विकसित भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्चुअली जुड़ उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित किया।

कार्यक्रम में सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, विधायक दिनेश राय, विधायक कमल मर्सकोले, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मालती डेहरिया, नगर पालिका अध्यक्ष ज्ञानचंद सनोड़िया, जिला भाजपा अध्यक्ष श्रीमती मीना बिसेन जनपद अध्यक्ष श्रीमती किरण भलावी, जनपद अध्यक्ष कुरई लोचन सिंह मर्सकोले, पूर्व सांसद ढालसिंह बिसेन, पूर्व सांसद श्रीमती नीता पटेरिया सहित अन्य क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सेवा, स्वच्छता, सामाजिक सरोकार और जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की पहुंच सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। उपस्थित नागरिकों ने विकसित भारत के संकल्प को जनभागीदारी से आगे बढ़ाने का संदेश दिया।

सेवा भाव से मजबूत होगा विकसित भारत का संकल्प

सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि विकसित भारत का निर्माण केवल शासन के प्रयासों से नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग की सक्रिय भागीदारी से संभव है। सेवा और सहयोग की भावना को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाकर प्रत्येक नागरिक राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, जरूरतमंदों की सहायता, सामाजिक जागरूकता तथा शासन की योजनाओं की जानकारी पात्र लोगों तक पहुंचाना भी राष्ट्र सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है।

वन अधिकार अधिनियम के तहत सामुदायिक वन संसाधन अधिकार की प्रक्रिया पर प्रशिक्षण 08 को

सिवनी। सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग, सिवनी ने जानकारी देते हुए बताया कि 08 अक्टूबर 2026 को प्रातः 10 :30 बजे कलेक्टर सभाकक्ष, सिवनी में कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना की अध्यक्षता में वन अधिकार अधिनियम, 2006 के अंतर्गत सामुदायिक वन संसाधन अधिकार की प्रक्रिया के संबंध में प्रशिक्षण एवं बैठक का आयोजन किया जाएगा। प्रशिक्षण एवं बैठक में ग्राम/वन अधिकार समिति से सामुदायिक वन संसाधन अधिकार के प्रस्ताव प्राप्त करने सहित संबंधित प्रक्रिया एवं आवश्यक कार्यवाही के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी।

पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में संकल्प वृक्ष हेतु गरिमामयी कार्यक्रम आयोजित

सिवनी | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय पी.जी. कॉलेज सिवनी में 15 जनवरी (सेना दिवस) को भोपाल में रोपे जाने वाले संकल्प वृक्ष के लिए जिले की पावन माटी एकत्रित कर प्रेषित करने हेतु एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 24 म.प्र. बटालियन एनसीसी छिंदवाड़ा के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल पी.के. वेलु के मुख्य आतिथ्य और प्राचार्य डॉ. रविशंकर नाग की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ मध्यप्रदेश गान और वीर जवानों को दीप प्रज्वलन कर नमन के साथ हुआ। एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट पवन कुमार वासनिक और कैडेट्स ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार पूरे प्रदेश के जिलों से माटी एकत्र की जा रही है, जो वीर जवानों के शौर्य, पराक्रम और पर्यावरण जागरूकता का प्रतीक बनेगी।

कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य डॉ. रविशंकर नाग और पुलिस कंट्रोल रूम प्रभारी ओमेश्वर ठाकरे द्वारा एनसीसी कैडेट्स को सिवनी की पावन माटी के पैकेट सौंपे गए, जिन्हें जबलपुर ग्रुप हेडक्वार्टर के माध्यम से एनसीसी डायरेक्टरेट भोपाल भेजा जाएगा। अतिथियों ने अपने संबोधन में युवाओं को एकता, अनुशासन, राष्ट्रसेवा और पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रेरित किया। कर्नल पी.के. वेलु ने युवाओं को सेना से जुड़ने का आह्वान किया, वहीं डॉ. नाग ने कविता के जरिए राष्ट्र के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। राष्ट्रगान के साथ संपन्न हुए इस आयोजन में एनएसएस स्वयंसेवकों, महाविद्यालय स्टाफ और एनसीसी कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

700 में से 56 पदों पर भर्ती; अभ्यर्थी बोले- प्राप्तांक और चयन मापदंड सार्वजनिक करें

सिवनी के पेंच टाइगर रिजर्व में गाइड भर्ती पर सवाल

सिवनी | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

सिवनी के पेंच टाइगर रिजर्व में 56 गाइड पदों की भर्ती को लेकर अभ्यर्थियों ने बुधवार को चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठाए। करीब 700 अभ्यर्थियों के बीच हुई भर्ती में चयन का आधार और सभी अभ्यर्थियों के प्राप्तांक सार्वजनिक करने की मांग की गई। अभ्यर्थियों ने कर्माझिरी रेंजर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा।

चयन सूची में एक परिवार के दो सदस्यों पर सवाल

अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया कि चयन सूची में कुछ ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें एक ही परिवार के दो सदस्यों का चयन हुआ है। हालांकि, अभ्यर्थियों ने कहा कि संबंधित लोगों के वास्तविक पारिवारिक संबंध और समग्र आईडी की स्थिति विभागीय रिकॉर्ड से जांची जानी चाहिए।

उनका कहना है कि यदि नियमों में एक परिवार या एक समग्र आईडी से एक ही सदस्य के चयन का प्रावधान है तो सभी चयनित अभ्यर्थियों पर इसे समान रूप से लागू किया जाए।

उत्तर पुस्तिकाएं सुरक्षित रखने की मांग

अभ्यर्थियों ने उत्तर पुस्तिकाओं और भर्ती से जुड़े रिकॉर्ड सुरक्षित रखने की मांग की है। साथ ही चयन सूची पर आपत्ति दर्ज कराने के लिए पर्याप्त समय देने को कहा है। उनका कहना है कि जांच में नियमों की अनदेखी सामने आती है तो जरूरी सुधार किया जाना चाहिए।

परीक्षा और मेरिट के मापदंड सार्वजनिक करने की मांग

अभ्यर्थियों ने भर्ती में शामिल सभी लोगों के प्राप्तांक सार्वजनिक करने की मांग की है। साथ ही लिखित परीक्षा, साक्षात्कार, स्थानीयता, गाइड के रूप में अनुभव और अन्य योग्यताओं के आधार पर चयन की जानकारी जारी करने को कहा है। उन्होंने अंतिम मेरिट तैयार करने में अपनाए गए मापदंड भी सार्वजनिक करने की मांग की है। अभ्यर्थियों का कहना है कि इससे चयन किस आधार पर हुआ, यह स्पष्ट हो सकेगा।

डिप्टी डायरेक्टर से संपर्क नहीं हो पाया

अभ्यर्थियों ने गाइड भर्ती प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाने की मांग की है। उनका कहना है कि इससे चयनित अभ्यर्थियों को लेकर विवाद की स्थिति नहीं बनेगी। इस मामले में पेंच टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर पुनीत गोयल से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन संपर्क नहीं हो पाया।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक* संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433